महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

(भा.कृ.अनु.प. - कृषि तकनीकीअनुप्रयोगअनुसंधान संस्थान कानपुर)

चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर (उ०प्र०)-273165

समाचार – पत्रिका

अंक-09 | सितम्बर, 2021

प्रो. उदय प्रताप सिंह

उपाध्यक्ष, प्रबन्ध समिति

गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान

गोरखनाथ, गोरखपुर

संदेश

वर्तमान समय में कृषि उत्पादन लागत को कम करने एवं गुणवत्तायुक्त अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु यह आवश्यक है कि कृषकों तक नवीनतम कृषि अनुसंधान एवं कृषि तकनीकियों को पहुँचाया जाए। महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर इन नवीनतम तकनीकियों को निरंतर कृषकों तक पहुँचाने में तत्पर हैं जिससे कृषकों का आर्थिक एवं सामाजिक स्तर सुधारा जा सके।

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रकाशित मासिक न्यूज लैटर का यह अंक केन्द्र द्वारा किए गए एवं किए जाने वाले कार्यों के साथ-साथ नवीनतम कृषि तकनीकियों का प्रसार गांव-गांव एवं घर-घर पहुँचेगा, जो सभी वर्ग के किसानों के लिए लाभप्रद होगा।

(उदय प्रताप सिंह)

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

एक नजर में

कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना कृषि एवं संबंधित विषयों की नवीनतम तकनीकों के स्थानांतरण एवं प्रसार द्वारा जनपद के सर्वांगीण विकास हेतु गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान के नियंत्रण में गोरक्षपीठाधीश्वर पूजनीय महंत श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा की गई। इस केन्द्र का शिलान्यास 23 अक्टूबर 2016 एवं उद्घाटन 2 मार्च 2019 को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह जी के द्वारा किया गया। यह केंद्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर द्वारा वित्तपोषित है। यह केन्द्र गोरखनाथ की पवित्र धरती पर स्थापित होने की वजह से इस केंद्र का पूरा नाम महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र रखा गया। यह केन्द्र गोरखपुर जनपद से 35 किलोमीटर दूरी पर गोरखपुर – सोनौली मार्ग पर पीपीगंज रेलवे स्टेशन से 8 किलोमीटर दूरी पर (अक्षांश 26.929971, देशांतर 83.240244) पीपीगंज – बढ़या चौक मार्ग पर स्थित है। कृषि विज्ञान केन्द्र के पास 20.56 हेक्टेअर का प्रक्षेत्र है जिस पर प्रमुख रुप से गेहूँ, धान, सरसो, चना, तिल, गन्ना, अरहर इत्यादि फसलों का बीज उत्पादन किया जाता हैं।

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर द्वारा अगस्त, 2021 में किये गये कार्य

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम

फसल/उद्यम का शीर्षक	प्रशिक्षण की सं.	लाभार्थी संख्या
क) कृषक एवं महिला कृषकों हेतु प्रशिक्षण	02	40
ख) नवयुवक नवयुवतियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	02	30

2. अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

फसल/उद्यम का शीर्षक	क्षेत्रफल हे०/ सं०	लाभार्थी संख्या
क) SC SP परियोजना के अंतर्गत सब्जी बीज का प्रदर्शन (किचन गार्डन)	10	1000

3. प्रक्षेत्र परीक्षण

शीर्षक	लाभार्थी संख्या
क) धान फसल में संतुलित उर्वरक एवं जैव उर्वरको का प्रयोग	05
ख) मिर्च फसल में ग्रोथ हारमोंस का प्रभाव	05

4. प्रसार गतिविधियां

शीर्षक गतिविधियां	संख्या	लाभार्थी
क) वैज्ञानिकों का कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण	15	27
ख) कृषकों का कृषि विज्ञान केन्द्र पर भ्रमण	56	56
ग) मोबाइल सलाह	18	सामूहिक
घ) समाचार पत्र प्रकाशन	36	सामूहिक

5. कृषक चयन

गतिविधियाँ	शीर्षक	प्रदर्शन की सं	लाभार्थी
क) अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन	हरे चारे के रूप में बरसीम का प्रदर्शन हेतु कृषको का चयन	30	30
ख) प्रक्षेत्र परीक्षण	IPM द्वारा चने की फसल में फली बेधक कीट के प्रबंधन का परीक्षण हेतु कृषको का चयन	05	05
ग) समूहबद्ध अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन	सरसों फसल का कृषक प्रक्षेत्र पर समूहबद्ध अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन हेतु कृषको का चयन	25	25
घ) अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन	गेहूं की उच्च उत्पादकता वाली प्रजाति का प्रदर्शन हेतु कृषको का चयन	45	45

❖ डॉ विवेक प्रताप सिंह, पशुपालन विशेषज्ञ द्वारा चेतरिया (भरोहिया), मुस्तफाबाद (पाली) में कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण किया गया एवं मछली पालन पर कार्य कर रहे कृषको को मछली पालन में आ रही समस्या का समाधान किया गया	
❖ डॉ राहुल कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ द्वारा चेतरिया (भरोहिया) एवं जंगल बिहुली (कैम्पियरगंज) में धान के पुसा सुगंध 5 पर चल रहे प्रदर्शन का भ्रमण किया गया एवं धान में लग रहे प्ररोह बेधक कीट के नियंत्रण की जानकारी कृषको को दिया गया	
❖ डॉ राहुल कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ एवं डॉ विवेक प्रताप सिंह, पशुपालन विशेषज्ञ, द्वारा रानाडीह (भरोहिया) में करेले के फसल में एकीकृत नाशीजीव (IPM) द्वारा फल मक्खी के प्रबंधन पर चल रहे प्रक्षेत्र परीक्षण का भ्रमण किया गया।	
❖ डॉ विवेक प्रताप सिंह, पशुपालन विशेषज्ञ एवं डॉ राहुल कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ द्वारा नयागांव (जंगल कौड़िया) एवं मड़हा (भरोहिया) में केचुआ खाद एवं अजोला पर चल रहे परीक्षण एवं प्रदर्शन का भ्रमण किया गया।	
❖ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय, मृदा विशेषज्ञ द्वारा दिनांक-22-09-2021 को ग्राम तुर्कवलिया, ब्लाक भरोहिया में मशरुम उत्पादक किसान श्री वीरेन्द्र निषाद के प्रक्षेत्र पर भ्रमण किया गया तथा बटन मशरुम की खाद बनाने में सावधानिया तथा रखरखाव के साथ अन्य आवश्यक जानकारी दी गयी।	
❖ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव उद्यान विशेषज्ञ द्वारा दिनांक-29-09-2021 को विकास खंड जंगल कोडिया के मगरू चौराहा के किसानो (सोचिन्द्र प्रजापति एवं बबलू यादव) के प्रक्षेत्र पर भ्रमण किया गया। इसी के साथ ही साथ उनकी लौकी, करेला एवं सरपुतिया की फसलो का अवलोकन किया और पाया गया की फसलो में रोग एवं पोषक तत्व की कमी के कारण बढवार संतोषजनक नहीं थी । सुधार हेतु पोषक तत्व प्रबन्धन के तहत नत्रजन:फास्पोरस:पोटाश18:18:18 की 20 ग्राम मातारा प्रति 15 ली. पानी में मिलाकर स्प्रे करने का सुझाव दिया।	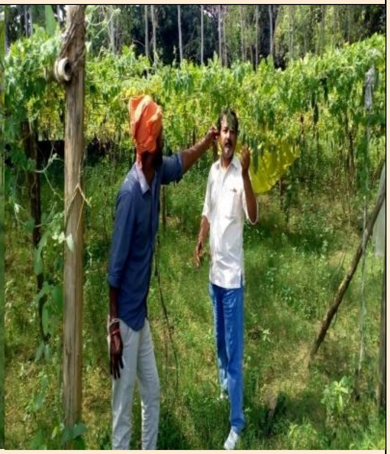

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

❖ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय, मृदा विशेषज्ञ द्वारा दिनांक- 06-09-2021 से 10-09-2021 तक मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केंद्र पर कराया गया। जिसमे 20 कृषक उपस्थित रहे। पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानो को मशरूम की उत्पादन तकनीक, उपयोग व मार्केटिंग के साथ साथ प्रायोगिक कार्य भी कराये गए।

❖ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव, उद्यान विशेषज्ञ द्वारा दिनांक- 23/09/2021 को किसानो को "सब्जी फसलो में टपक सिचाई विधि" विषय पर जानकारी, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र, चौकमाफी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में दी गयी। कर्यक्रम का उद्घाटन केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ संदीप कुमार सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने धान में लगने वाले कीट एवं रोगों के विषय में विस्तृत जानकारी दी। इसी के साथ ही साथ कृषक उत्पादन सगठन एवं मृदा जाच आदि पर भी आवशयक जानकारी दी गयी।

❖ कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रायोजित प्रमोसन ऑफ़ एग्रीकल्चरल मैकेनाईजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ़ क्रॉप रेज्डयू योजनान्तर्गत कृषको का पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन राजकीय कृषि विद्यालय, चरगावा में किया गया जिसमे केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षण दिया गया । जिसमे 17 जिलों (गोरखपुर, महाराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, चन्दौली, आजमगढ़, बलिया, मऊ, बस्ती, सिद्धार्थ नगर, संत कबीर नगर, मिर्जापुर, सोनभ्रद्र एवं संत रविदास नगर) के कृषकों ने प्रतिभाग किया।

❖ पांच दिवसीय "मालिगिरी प्रशिक्षण" कार्यक्रम का समापन केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. संदीप कुमार सिंह द्वारा दिनांक 02 सितम्बर 2021 को प्रमाण पत्र वितरण के पश्चात हुआ । कार्यक्रम समन्वयक डॉ अजीत कुमार श्रीवास्तव, उद्यान विशेषज्ञ के अनुसार इस कार्यक्रम में 10 बेरोजगार युवको को प्रशिक्षण दिया गया।

किसान गोष्ठी / पाठशाला

डॉ विवेक प्रताप सिंह, पशुपालन विशेषज्ञ, एवं डॉ राहुल कुमार सिंह, प्रसार विशेषज्ञ द्वारा दिनांक 06/09/2021 को धरमपुर(कैम्पियरगंज), में सनातन फार्मर प्रोडूसर कंपनी द्वारा आयोजित किसान गोष्ठी में प्रतिभाग कर व्याख्यान दिया गया, जिसमे कुल 110 कृषको ने प्रतिभाग किया।

दिनांक 14-09-2021 से 15-09-2021 तक एवं 20-09-2021 से 21-09-2021 तक महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा कृषि विभाग गोरखपुर द्वारा आयोजित किसान पाठशाला कार्यक्रम में प्रतिभाग कर किसानों को जागरूक किया गया।

डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय, मृदा विशेषज्ञ द्वारा दिनांक-25-09-2021 को ब्लाक पिपराइच में गरीब कल्याण दिवस के अवसर पर आयोजित किसान मेला में प्रतिभाग किया। मेले में 350 से अधिक किसान उपस्थित रहे। इस अवसर पर किसानो को मृदा स्वास्थ्य कार्ड स्कीम, जैविक खेती एवं किसान उत्पादक संगठन सम्बन्धित आवश्यक जानकारी दी गयी।

दिनांक- 25-09-2021कृषि विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा गरीब कल्याण दिवस के अवसर पर गरीब कल्याण मेला का आयोजन किया गया जिसमें केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव द्वारा रबी सब्जिओ की उन्नतशील खेती पर विस्तृत व्याखान दिया गया। जिसमे कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय विधायक गोरखपुर ग्रामीण श्री विपिन सिंह जी द्वारा किया गया।

अक्टूबर माह के मुख्य खेती-बाड़ी के कार्य

फसलोत्पादन एवं प्रबंधन

- तोरिया – बोआई के 20 दिन के अन्दर निराई-गुड़ाई कर दें साथ ही सघन पौधों को निकालकर पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेमी. कर दें।
- राई सरसों की बोआई के लिए माह का प्रथम पखवाड़ा सबसे उपयुक्त है।
- सरसों में सफेद रतुआ के बचाव हेतु मेटालैक्सिल (एप्रॉन 35 एस० डी०) 6 ग्राम प्रति किग्रा० बीज दर से या बैविस्टीन 2 ग्राम / किग्रा० बीज दर से उपचारित करें।
- धान में पत्ती लपेटक कीट की रोकथाम के लिए क्वीनालफ़ॉस 25 ई.सी. (2 लीटर प्रति हेक्टर) का छिड़काव करें।
- धान में जीवाणु झुलसा रोग, जिसमें पत्तियों के नोक व किनारे सूखने लगते हैं। इसकी रोकथाम के लिए पानी निकालकर एग्रीमाइसीन 75 ग्राम या स्ट्रेप्टोसाइक्लीन 15 ग्राम व 500 ग्राम कापर ऑक्सीक्लोराइड का 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- तना छेदक कीट, जिसके आक्रमण से सूखी बाल बाहर निकलती है, जिसे सफेद बाल भी कहते हैं, की रोकथाम के लिए ट्राइकोग्रामा नामक परजीवी को 8-10 दिन के अन्तराल पर छोड़ना चाहिए। क्लोरो-पायरीफास 20 ई०सी० 1.5 लीटर / हेक्टेयर की दर से 600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- गन्धीबग, जिसमें कीटों द्वारा बाली का रस चूस लेने के कारण दाने नहीं बनते हैं और प्रभावित बालियाँ सफेद दिखाई देती हैं, की रोकथाम के लिए मैलाथियान 5 प्रतिशत चूर्ण प्रति हेक्टेयर 25-30 किग्रा की दर से फूल आने के समय बुरकाव करें।

मृदा विज्ञान

- मटर की फसल में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटाश की मात्रा 20: 60: 40 के अनुपात में (यूरिया 44 किग्रा./हे., सिंगल सुपर फॉस्फेट 375 किग्रा./हे., एम. ओ. पी. 67 किग्रा./हे. देना चाहिए। पूरी उर्वरक की मात्रा बुवाई करते समय डाले।
- लहसुन की फसल में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटाश की मात्रा 100: 50: 50 के अनुपात में (यूरिया 218 किग्रा./हे., सिंगल सुपर फॉस्फेट 312 किग्रा./हे., एम. ओ. पी. 84 किग्रा./हे. देना चाहिए। पूरी उर्वरक की मात्रा बुवाई करते समय डाले।
- नीबू के कमजोर पोधो में 50 ग्राम यूरिया सिचाई के तुरन्त बाद प्रथम सप्ताह में देंगे।
- केले में प्रति पौधा 55 ग्राम यूरिया पौधे से 50 सेंटीमीटर के घेरे में प्रयोग कर हल्की गुड़ाई करके भूमि में मिला दें।
- भूमि में पोषक तत्वों की कमी जानने के लिए मृदा परीक्षण करवा लें तथा भूमि में उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करें।

मौनपालन

- ❖ जलभराव की स्थिति में उचित प्रक्षेत्र का चयन कर, मौनवंशों का समय से माईग्रेशन करें।
- ❖ मौनगृह के तलपट पर सम्बंधित उपकरणों को पोटैशियम परमैगनेट/ लाल दवा से एक बार धुलाई करें।
- ❖ माइट के प्रकोप से बचने के लिए मौनगृह के तलपट की समय-समय पर सफाई करते रहें।
- ❖ अत्यधिक पुराने एवं काले पड़ चुके छत्तों को नष्ट कर दें तथा उनकी प्रतिपूर्ति मोमी छात्ताधर लगाकर नए छत्तों का निर्माण कराकर कर लिया जाए ताकि मौनवंशों की गुणवत्ता प्रभावित न हो।
- ❖ गतवर्ष की अधिक शहद उत्पादन करने वाले सशक्त मौनवंशों को मात्र मौनवंश की श्रेणी में रखते हुए इनसे मौनवंशों का संवर्धन सुनिश्चित किया जाए ।
- ❖ **पशुपालन**
- ❖ जिन पशुओ को मुँहपका तथा खुरपका का टीका नही लगा है उन्हें टीका अवश्य लगवायें।
- ❖ दुधारू पशुओं में थैनेला रोग से बचाव के उपाय करें एवं साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें।
- ❖ पशुओं को अन्त:परजीवी नाशक दवाई पशु – चिकित्सक की सलाह अनुसार नियमित दें।
- ❖ पशुओं को संतुलित आहार दें।
- ❖ हरे चारे के लिये बरसीम तथा जई की बुवाई करें।
- ❖ पशुओ के आहार में खनिज मिश्रण एवं नमक का प्रयोग करें।

सब्जियों की खेती

- ❖ आलू की अगेती किस्मो :कुफरी अशोका, कुफरी चंद्रमुखी, कुफरी जवाहर की बुआई 10 अक्टूबर तक तथा मध्य एवं पिछेती फसल : कुफरी बादशाह, कुफरी सतलज, कुफरी पुखराज, कुफरी लालिमा की बुआई 15-25 अक्टूबर तक करें।
- ❖ सब्जी मटर एवं लहसुन की बुआई करे।
- ❖ पत्तागोभी की रोपाई माह के अंतिम सप्ताह से शुरु की जा सकती है।
- ❖ वर्षा समाप्त होते ही इस माह हरी पत्ती के लिए धनिया की प्रजाति पन्त हरीतिमा या आजाद धनिया-1 की बोआई प्रारम्भ कर सकते है।
- ❖ कद्दूवर्गीय सब्जियों मे मचान बनाकर उस पर बेल चढ़ाने से उपज बढ़ जाती है।
- ❖ अगेती बुआई के लिए आलू की कुफरी अशोका व कुफरी चन्द्रमुखी किस्मे अच्छी हैं।

फलों की खेती

- ❖ पपीता की रोपाई करे।
- ❖ बनाना बीटिल का नियंत्रण करे।
- ❖ केले मे 7 दिन के अंतराल पर सिचाई करे तथा बगल से निकलने वाली पत्तियो की कटाई करते रहे।
- ❖ आंवला मे शूट गाल मेकर से ग्रस्त टहनियों को काटकर जला दें।
- ❖ आम में गुम्मा रोग की रोकथाम हेतु एल्फा नैपथलिन एसीटिक एसिड 4 एम. एल. प्रतिलीटर पानी में घोल कर छिडकाव करना चाहिए।
- ❖ आम में गमोसिस रोग की रोकथाम हेतु भूमि में खाद की तरह कॉपर सल्फेट 250 ग्राम, जिंक सल्फेट 250 ग्राम, बोरेक्स 125 ग्राम बुझा चूना 100 ग्राम (दस वर्ष या अधिक उम्र के पौधो हेतु) प्रति वृक्ष की दर से मिलाकर हल्की सिंचाई कर दें।
- ❖ आंवला में फल सडन रोग की रोकथाम के लिए कॉपर आक्सीक्लोराइड 3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करें।

पुष्प व सगंध पौध

- ग्लेडियोलस के कन्दो को 2 ग्राम बैविस्टीन एक लीटर पानी की दर से घोल बनाकर, 10-15 मिनट तक डुबोकर उपचारित करने के बाद 20-30X20 सेमी पर 8-10 सेमी की गहराई में रोपाई करे। रोपाई से पूर्व क्यारियों में प्रति वर्गमीटर 5 ग्राम कार्बोफ्यूरान अवश्य मिलायें।
- गुलाब के पौधो की कटाई-छंटाई कर कटे भागों पर डाईथेन एम. 45 का 2 ग्राम प्रतिलीटर पानी के हिसब से छिड़काव करे।
- रजनीगन्धा के स्पाइक की कटाई – छटाई एवं मार्केटिंग करें।
- ग्लेडियोलस के रोपाई की तैयारी करें।

सहयोग			
नाम	**पदनाम**	**विषय**	**मो0न0**
श्री आशीष कुमार सिंह	प्रक्षेत्र प्रबंधक	अनुवाशिकी एवं पादप प्रजनन	**07752941868**
श्री जितेन्द्र कुमार सिहं	कार्यक्रम सहायक (प्रयोगशाला तकनीकी)	पौध संरक्षण	**08887725608**
श्री शुभम पाण्डेय	सहायक	-	**08317019891**

सह-सम्पादक मंडल			
डा0 विवेक प्रताप सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	पशुपालन	**07651922058**
डा0 अजीत कुमार श्रीवास्तव	विषय वस्तु विशेषज्ञ	उद्यान	**08787264166**
डा0 राहुल कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	कृषि प्रसार	**07007275688**
डा0 संदीप प्रकाश उपाध्याय	विषय वस्तु विशेषज्ञ	मृदा विज्ञान	**09621437547**
श्री अवनीश कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	सस्य विज्ञान	**09792099943**
श्रीमती श्वेता सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	गृह विज्ञान	**09453158193**

संकलन एवं सहयोग			
नाम	**पदनाम**	**विषय**	**मो0न0**
श्री गौरव कुमार सिंह	कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर)	कम्प्यूटर	**07651922058**

सम्पादक
डा0 संदीप कुमार सिंह
(वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष)
महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र,चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर(उ०प्र०)
Mob no. 09453721026; Email – gorakhpurkvk2@gmail.com
website -http://www.mgkvk.in/